

तिष्ठतः सिद्धाय॥

2371

18-12-70

[illegible]

विशुद्धं ह्यम्
विशेषः भविष्य
कः

嘔

30

गड भवगभाडु, पुम पुभायभावासी
 विष्णुनठैवामिपु, मुकठै नैव ठगवडा
 निनीडा, श्रीभउठुठुगकादिपु, रुडा
 भावभयगं उडामिकाठै, तुनिडा, भा
 नभयगाडिरेकि, नी भुवठावेपठुडिः,
 उभेव, ठुठुगकपामः भउभापेन एक
 एयतुः, मुमिसेकेन, भउयति ॥ वि
 मः भुदकनारनकानमेद पद
 गिले मुणगठेयपीणय ठवायठु
 वमयिने ॥ ठवायदेन भाडेमुवि
 उठवायनमः नम उडिनमः मवुग
 उवठुयवुडाभेन, मुउठु उपमावे
 मिउ उडुउ, पभवावेमन नयेने, मनी
 ठवमु उं विपुन भुमिउ, मुउउ भने,
 विनापयामि उडुः कानमेदं वा,
 कानमं, विकने, लाभिका, भीदं वा,
 भुदकनारनन मुममा उठु भगीमि
 मयेन, यः मपठगडि, उमुनीय भऊ
 मपठेन ममिउः भुगीन भ कनारनने

०

नवा भवगभाडुवेण, ठवाठवठुमु
 नडुगठुन, कानमेद पदगी, मेदुदठु
 गठुकभडा कानमेद मपठुं मीनेयमु
 मउवेउः उमुठुभा कानीभडा कानभने
 गूमडीमिडि उमु भुदकनारननरव,
 भुदकनारननभदवा भुदकनार
 नभेववा कानमेद मपठुडी हुनं गु
 मभदेमः एकडिउः नठु, भुभागापुप
 भमिमुठु सुगीभभम येकं नेन भकसे
 दुपपठुउ, उडुउं मयेवः मकनेनका
 विकभु, कानः काननकाठुमुठुनः क
 नुउकेनवा मकनुपवकान उठुपव
 उवावकिभा, भउः भुवठुकामाउविगी
 नेविगिरेठुवभा, मभुगत्रपुक मडवठे,
 गुभुवठवकिभा, उठुगठगठेयुधेद
 पुउमुडीन उठुपोठवठवे उठुभुवठु
 हेगाठवठममव विनापन उठुठुठु
 हेयेगा ही उठुवपीयेमु, मुणगठेयपी

०

ॐ येतिउपा० मुण्णमुयामुतिव उरु
 रिपुनेन भाविपुनरु दी० यमु उरु
 वायु उरुयिने भभापविपमुनाय
 मेकापुमयवा उरुनेन कानमेका रिनेन
 उरुगुपयपी० उरुपुडिपामनेन भवाउभा
 काउरुनकाः भउउमिउरु रिमप्ररुन
 यउरुदिउः मरुपदरिपदेन भंदउउः
 पी० पदेन भिउिउरुः उरुपमेन भपु रि
 उरुमेपम भिपुपदवभानेन नमेके
 नममिउः मउउमु भकनरुभाउरुम
 रिउिउरु उरु उरुगन विपानमेव ० मरु
 भिउिपुणन भपु भंदरु परिपपएनेन
 मिउीयं प्ररु उरुम मरुयडि ॥ नमः मिमु
 निमकउरुकन कभनभानिने परभान
 उरुदयमिवाया उरुउप्रउये ॥ ३ मरुउ
 उरु उरु भिउिपुणन उरु उरु उरु उरु उरु
 उरु उरु उरु उरु मिवाय भदउरु मरुपु
 रिउं मजीनायनमः उरिउगपुउभा मि
 मुउया मुउेमु उरु उरु उरु उरु उरु नि

क

पद

भयै

माकउमु कउमरुदीरभ... मु परकउरु
 कननरुना भवापेर पेर पेर उरु उरु
 उरु... इयेपउरुना पुकमननानिउं क
 भने उरु निने उरुणरुय उरु उरुयय
 वा निमकउरुकन भंदरुमेवी उरुमा
 भउउो मिमिवाभनप्रतिभम भिउा वि
 गउ कनकन कननरुभा उरुमउया
 उरुमिभउपनापिनी रायडिकापिकन
 विगउरुभा उरि । वरुभनेय उरु उरु
 यमपि । मरुपुडा मिमारा भवउरु उरु
 भिउा उरु उरु उरु उरु उरु उरु उरु
 प्रउरु उरु उरु उरु उरु उरु उरु उरु
 मरु उरु उरु उरु उरु उरु उरु उरु
 उरि । भनिने उरु उरि उरि उरि : मरु
 मरु उरि उरु उरु उरु उरु उरु उरु
 उरु उरु उरु उरि उरु उरु : मयमपिभउमि
 मरु उरु उरु उरु : ३ ॥ मरु उरु उरु उरु
 पिभिउिउरु उरु उरु उरु उरु उरु उरु
 उरु उरु ॥ नमः पामेपम उरु उरु उरु
 उरु उरु उरु मरु गउरु मरु उरु उरु
 यपम उरु ॥ ३ ॥ पामनाभानव

उरु

ॐ

ॐ

उच्चैः भवन्मृदुहृत्पुके पद्मेनाव

[illegible][illegible]

मतिरुत्तरभावेन
 विवर्तमानेति भावः
 इति उक्तं यत्तद्वत्
 न भवत्येति भावः
 इति युक्तं कर्मा

३८

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ

主

[illegible]

उमन् यमं भविता मुमु

मूव ७७ वदिते कया इडना पुम ७३
 पुठ ७७ मुचु मवे न अय मवे न मर ७७
 पुपये नद ७७ मा उये नद ७७ मुड भाडु
 ल मड मेधाव ७७ मवे प ठिठि मुडे ७३
 पुमे पुपुम ७७ ले गुपु डि वे डि उं मे पुपुम
 नं य ड उं भिं भुगी यण भि नगर मवि
 मन कुण भुण म म म न्न भिडा म डि मुभुः
 क उ विम भण भना प्रमु म म ड उ म भुण
 व कु य मे ॥ ०० ॥ द म म नै म य व भु म म म
 मु ड मे डि उ मा मु पि मा ड पु डि पु न मा
 भं डि म ग ड उ ॥ ०० ॥ द ग म र्दे म भि रिया
 ठ व ठ व वि क ल वि मु उ म ड व मा ड पु म
 ७७ मे ये न द ७७ ने न प्र भि डि मा ड नि वि मे ध ७७
 ठ ल उ म म भ व भ प न द ७७ उ य ७७ उ भु पि
 भा प व ड ७७ उ म पि उ न्नु डि उ व ड व प म म भु
 उ व वि व मु ड उ डि पा ७७ वि व मु ड नि मु प ७७
 वे मु ड उ मु वे न व कु य ड डि म ग ड उ मा ड
 नै भा व मे य ७७ भु पि पा ड द म म न वि प
 म ड म म वि म म ड ७७ द ७७ म भ नं मु मि
 उ मा ०० ॥ मु डि म न म व ठ म म डि ठ मे
 प वे डि उं उ य प ०५ डि पु नं वि ड म भि म

०५

०५

उपवेदनभा
 उपवेदिताभा

ग ७३ ०३ वदिते कया इडना पुम ७३
 म म म ड म म म ड व ठ म ड प भु मु डि उ ड
 म ड उ मु डि डि म मु न ड उ नः प रि प्र न्ने ले
 प म म नं वि ड म भि वि ७७ म भि प्र न्ने ले
 म म प म वि वि पु मा ०३ ॥ डि कु नै म म क
 न न क न डे डि उ म ड मः क कु रे डि व ७७
 भु ले ग ड म वि वि म ल न मा ०३ ॥ भु लेः
 भु भु र्प म नि ड भ व ग ड वि म ड व पु धः ७७
 प रि ग म क ल प रि के न्नु न ठ व म ड ७७
 ने प ड म वि म ल नं भ व ग ड उ डः कः के डि
 व डि डि कु मे म क ल म भ वे डि कु डि म म न य
 नं कु डि मु पु र्द ७७ म भु वे ड उ भु उ भ व भु म
 व भ य ड क ड ड नं उ ड मु ड नं क भु वि म
 ल नं कु डि वि म ल न भि डि उ ड म वे मे न व म
 व म भ डि म ड ०३ ॥ अ य म डं मु वे र डं
 भ वि ड म डि व रि डि मा प म भ ड म भु
 डं मि व य वि नि वे म ये ०५ ॥ म ड ड उ
 व डि व ड म डि व ड भ नी य ड म भि ड म
 व डि डि न य न मे ड डः उ प भु ड कः वे ड म
 व भ भु डि पि ०५ ॥ डि वि ये पि डि य ड

०५

०५

उक्त

निम्न

[illegible]

१॥

नैव विमुक्तमनसि निपुणैः भिद्वन्नायमम
 कृत्वा प्रभुपदं उपासीतुं मन्त्रिभूकम्
 गमगासुभु उन्निभमनं तु दुरभउपभा
 मभनं गदं केवन्तुमभपि भंरुगडिके
 पितरुमेकोडीनेनय उमीनिडः भन्न
 कन्नगमिडिवापा०: ०७॥ इका नृण्य
 उमेचिन्नतिपादकभोजिकभा मनउम
 पुपासैहः पूयमुभिवपाकप ३०॥ दैव
 पभमतिवभवत् पूवत् सकपेसमपनकु
 एभु गतिपादक भिद्विका दीपिक रेमिक
 मेमिक अतिकानका भने गुरुताडा या
 वत्ता यन्त्रः मभवत् ३५: मिउमुडा
 वभुमि उरधुतु मउमदुडा तुगिउ भापम
 भूमय भिद्विभुमिकेत्त इन्नम ७३म
 नडाभाभादु नउमभुभुभउनुडा ३॥
 उगीयेमुनविभभं विद्वेगठनिदुः गिगी
 मडिभठिवागिः भुडिपुषः पूप्रुमे ३०॥
 गिगिवागिमेपे रंसभुभिनी उगीयेमुने
 पगभुडुपकाने विकभमुमुउं विद्वे
 केवेणभम भुविद्वेः भुडिउपः ४५: भि
 भठिवागिः पूप्रुमे उउपमुदु भाव

०
 वंरु
 ७

३
 ५
 ५

इउपवृडिगिउभुविउमउरुवठभपव
 मभभभभुउप भुडिः भपुमायभपि
 गुरुगुरुका कन्यकन्यनन्य भुगुडा
 इदपदवभितेपुविनउभावठभभुवभु
 वकः वापदभुभोपदे भुएभएपए
 दिनएननाभपुपिभवते दिक्कुं ३५उप
 मेमठका भुडा उरिगिवागुतागि
 दउउउमेउमभमिउमेव उभभितामि
 उठिणनविनयविनननडा इदपदव
 मिउउउं ठवडि ३०॥ पूवद्विमिपु
 उउवद्वि विननभडा यपवतिठिठ
 मेपपभुनगरणव ३३॥ पूवद्विपिडा
 ययं वद्विमिपु ययणभकेदि मेव भुडा
 यउउउभभा मभव निधुननवे इ
 मुउः उनेव को पडेमीपिउ नगुतिठम
 नम वद्विगुतिठम उउपुः द वद्वि
 मिपुडापमभुमिद्वि भव मेयसउं
 पुपयडि भवेभुपमिपुमेनापिवाभय
 डीडिपुपः ३३॥ मन्नदडानमउउद

व

३५ उं मेमेव

१८८५५५

१८८५५५

三

三

ਭਾਗੀ

經

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 वसुदेव उवाच ॥ दूत उवाच ॥ २ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ४ ॥
 धर्म उवाच ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ६ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ८ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १० ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ११ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १२ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १४ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १६ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १८ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १९ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २० ॥

००३५

ॐ
विष्णवे

कृमिमेव नानावर्गविवेकविमर्शप्रकरणविउउ
 अत्र भुविगतामनुभूयमानं दुर्गितकलापु
 राभुउमादुदुएमापुएपादुधानिपुमायभ
 पाउउउउनकेमिवं दुठावठराउ मधुनीक
 रुयेगुगिउवापाः गेनकउमुहेगुगिउ
 उः गेपुडिपाठेठगवउमुभनुमुभूकमडा
 मनउपूकमेउउः मधुनीकलेयेगमुभमुए
 अदुनामुगवभुमीउमिउनीयउ ३३॥ ठवदु
 डिउभावेमाडाभुवाभुवेमुउः भनुपुनिउ
 मभुउः किभवाभुउठवनैः ३३ उभयेकेप
 मभवेपुमदुगमिपुपि मभुवेमादुमउ
 कागिविकीलुमिभगीमिभकेकनिउमकीलुम
 डीलुपडाकामिभभुवेमुउठववेठवाठि
 नयेठवाठवेमुदुनविअदुनरावकि
 भवेमनिजभवाकनिउभुउपेपिउउभगेठ
 उमुउंमभयमिवगडिविमर्शवापिकेनिउ
 भादुकमभुमेमिभमुउठवमउमत्रिवेमि
 नीमा निपुयेविराभगीमिभनुकीनुयमि
 पगउउमिकेः ३३ भनुपुनिपुनिउभुगु
 पुठाधमपुवमपमुडीपम यमुवाभुवम
 कापुपदुमभुवउपादुभनुभदिभनिममि
 मिमूगवकअवडापुमेमनगउमि किंवाकै

न्याउकुं गतिपगम,

गुह्यविषयविकल्पकृतिगिति पगम, पगउ
पुमदेसुं प्रकयति नमभुतुकिगवह
उठेवनऽडिवापः नमभि नवतु किगठे
वनेकनमि नक नतु कुवग पुनीहः ३३॥
मायुमभन कनकंमिवउठवनभुगडा
उपविधुनमपम भुवि
उमभपकनिमो पुन विडेविभवे विउ
उमवऽडिविडनम। ३४॥ नमयिडक
वुं ठमनं हमया भुगडा यदउ प्रल्ले
रगुमाकमभरवमया ३५ प्रवमुकुं नि
नीभपुठिठवठभुगम पुमपमभुगउ
नमपुवउप्रमउ वुड विनेकुं निउ वकव
मीपिकउं हमयगगनपुभउं डिविणउपद
मिडयमभं माभुवमुगयमः ३५ न
मापुउउएकिरि निभुऽः पुभुऽः पुनः उन
कडुमिवविठेवीहमभंमभमऽः ३७ विभुऽः
पुविधुः पुभुऽः विभुऽः पुंमभमऽः पुंमप
वनः उनवउविठेपकउनुः। ३७ भव
उपविनिभुं उठवमुति भुणभिउमा सुउप
उमवभुठिठयउउमभयमः ३७ वि
षयभकनितरदिऽइमयउभउविभनं

हमयमुं उदउ रनिधुन विमयउ
पुमनिधुः नउ मभपनिधुन उनउ
उठेवनऽडिवापः नमभि नवतु किगठे ३१ मभउ
मभुगडगा उनेहाकधुं कमः मभहगउ
मभुवाकनाय प्रकनिऽः ३३ अनिवाम वि
राययडिपकने नियतुं दनु मभउपरिक
येप्रकउनुउकेरुहगपभुउ मडिवा
नय ३३ भुमंविठवनामनगवनीमने
हमनमा भुगउउभुगि उभुनंउनिवउउ ३७ मये
उभुनंउभुठवभुनंमपिनेपगहकवउ
वमिठेठेठवम नमनेहम प्रकनमभपुठिका
भुगमा नगः मगीः पवनविमेषः उभुव
लीप्रवमपुमिहमः मडिउमभुम उठेमुमि
मिमिमिका कपुवमभिडा उठयेगपिमम
महगकडाडा ३७ ठेगुठेकु विठेउंउवभने
उमभपुपमा मभुउगोपुदएउउमभुग
यमं निठे ४० ठेगुठेकु विठगउमभुग
मभमभविभमभविठगमभुणप्रिभमभ
भुंनभुयामि ४० प्रकमकमभुग
वनभुमनीभुममा उठपमगनउउप्रक
केमुठेपुए ४० मभुभुऽः मिमुपुवेदि

ठलीउ

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ
वि
०५

रत्न
का
पु

धमगीमिनकलमिउउयेयडाउनिउंयभुअउ
वेउः ५० मदापामुपउउनेकसिमुसुपुउप
मः मरेमिसुनवाधभुमभेठवउडिपगभा
५१ निभुमभुउविकनेरुः ममानेकर
वीरापु उडिमुमोठममवडापुनवलिउभु
उपेभदपउउनेठवउं पमुकापडिउकनि
उमिसुनेसुगडुकः उममुने उममुने उममु
यानेभवाडिमयिनि विमभुनउउया ५६
धुपुपु मउएवकसिमसुयभाउ पमुपरिक
निउउनियउमसुवकुमः मरुडिउपमिमिउ
मवेमभये ठवभुपमसिमसुन नवभु
मवभंविउमीठमठिउविमभुअभये नमः
पुमाउवपुसेमिवमउउभिववे उहमिनारए
रकेउनमेववेलिउपुउपमु मभुः मूयः ५
ठवभुठवेभंभीरडिपगंमरे उडि मरुन
ममरेमवाठं मउउमसुपुलि नमभु
उयडि ॥ मरुपुविगुदमिउमगीमिमरुवि
भुगभा मरुगुदेककरं नमभुदंउमरुम
भा ॥ येगनकाठिणवदि सावरवमनय
उ पीठमिदेवीपवेडे उडिउपु ५० मभ
राविउ ॥ उडिमीठवेपदभुइविउडिः

मवठावेहभाप
डिभभावेम+

नउमैरुदददः मुउठवे मभापु ॥ =
पउमैविवमभकगेधुवेदि एका एकाह्याम
ठमपुवमभिलभउमरुमुपमः ॥ दडिउपुगेवाउराठपुमी
रभुमेवभु ॥

त्रिकपंपुडिपुनभभवंउरागउउ ५१ रुमिहं
भवभहुनंभददींमभवमः कः कगेतिम
दविपुगवडाविभलने ५३ निविकगंनिग
ठाभंनिगीदमदिडीयकभा पराउरपुडिपुनं
विउमभिवभापउ ५४ मवभुगलः पुकं
विउः कीगवागिणिः उममुउरभा रुमंविपु
वेविनिवमये ५५ पापुकेम विपउपुपाउ
ठेगदिपेपुम विः भदंमभेदिउवेमुउ
नममुउ ५६ मंमेपुपुनकनयाभनभंउ
अभापुभा उमिउनहमभुनंमयेमवकि
नउने ५७ मरुमरुमिमकमविकभम
पुपुपुकभा मिउयिइमठवउवाभुवि
किगभदे ५३ एमपुम परिहृगापुननि
नरनिः भुआ मउवनपुंमभुउपुपुं
धुविउलभा ५९ मरुउपुननिपुउकेना
मगिगिकउरडा भवमुमिउमनिनएद
मभनंरु ६० मरुनुनियभभुकिः मुमुनि
मलभोकिः मउउरुपुमभुः मरुमु
मिगभापउ ६० मिमंनरुमयपुनविकभदे
रठाविउः मीपउउरुवाठिमुभुडिपुयः ६

भीममे ३३ उगगुगिमायमु विडावुडुविले
 मयडा उपवडुमिपाठमेपुपमुनरकैगि
 ३३ कायवागैधमात्रुअं ५५ नूनमभयीमया
 भा५५ ५५ वडुडेविधुवगैभवउमयिनी ३५
 पू५५ नलेत्रभडुडि: मिपंमीपमिपेडुल
 भा ५५ नयमिठगवत्रुकागपनउये ३५
 नीगगगविणेमेववुडुमृ ५५ धयेनता: ३५
 यानिउवउपुअंरुडु ५५ नडिकं विठे ३५ स
 नेकरउमंयुअंकिगीएवनमानिना भा
 लठमवभुधुठऊनंविभऊये ३५ नमम
 वेडिउंवभुडिभनपदंभगा ३५ धीधमभु
 उविधुविडुधिमिभुनभा ३३ ठवडुडिभ
 ५५ प्रभभुलुडुमयभुणिभा ५५ लुंरठिक
 भलंमीपउउभुमोयगा ३५ निधीडुडुका
 मेपु: ५५ कयभगेभगा मडुभउभुकिडु
 लुभाभुमयरागाउ ३५ रवेडिधेडुलामुमे
 डलमेभभुधेनम सधुडिंसडुनायडुकना
 ३५ कनामुडे ३५ ठवडुडुगभाभुमविभेदि
 उवराभिय: वेगपुनिभगावउलुभुडंभ
 मभामे ३३ मडुडुनमभुलुविभीरुडु

मयभुगडा उवभेलेभयाविधुविडुनंपगिकन
 उ ३३ सधुकांभनुभो लिंभवकभडुलपुमभा
 नभेनगय ५५ येडिरापाभिपुनयेडुम ३५ रुके
 रुगुयेविडुंगीउवाडुंविगुभुडे गीडाउवभ
 पिमुडा म ५५ नीउमपुय ३५ उगपिडुडुका
 कीठिवायभाजंरुडुभुगडा गयडेवाभुमवा
 गुमाभंमभुकेमिना ३५ नभामुधु
 विडुभुपुमडेविभुडेवडि: विगवैगिमीवि
 धुवीरभेदंभवपुठि: ३५ मीडाउपविनिभुडे
 ठडिठवभुगमिभा सुडुगुल ५५ मेवठव
 डापपुमात्रुये ३३ मिमनभुभेमुडेनगाव
 लीमलंमुठभा प्रगीठलभभायुडे ३५ भुलंउ
 निवमये ३५ विभुभुगभाभुवडुमीपुनपगि
 आ मिडुमिभुभलिंमेवठवडिभुडुडुविठे ५५
 भुडिनकीकभेरापाउंरुडुनपायिनीभा नि
 वेमयभिठगवडुलंउवभुमदि ५५ भा ५५ म
 डंठवभयीवडुभेभडाभुडुगेवना सडुडु
 वडुडुंभुवडुनाउंमभुडुभा ५३ मडुपरा
 डुडुभुडुभवलभुभन: भुमभा ५५ पमभाल
 डुपिडुडेविधुडुंभुडुभा ५३ ठडुठडु
 मभडुउवभनंरुभामुयभा भावभयोडु

देभुवेउअंमुयभंनिठ २२ मंभावगिभउ
 भुंउपांमलीधिमः वधिभोलेमवउउउ
 ठवेपदगकभा २५ उडिमीदधुमांनडा
 यउभपास्तिउभा उअकनयावेवठिउं
 दिमभावुयभा २६ उउंएदपुमपेउम
 विमुभउउदमपमुमाभमदिउमिउप्रमभा
 ठकिभुवाडि कभलेविमनाभभाभुमीवउ
 मिदिउउनेवभवेवभवे २७ मवकीनन
 रामंमिदविपुपरेनः मनेकसिउदवि
 धुठुकिप्रम मरुदिभाभा उडिमीवि
 धुठवेपदगभुउंमभापुभा ॥

डिमीभमननेसुठैरवायनमः॥

डिमीठैरवीउवाम॥ डि रायमेवाडिमेवायह
 नविहूनविगुद डिभाउउमभुमुमावउउ
 निठभुव ० विधुलःभकलेवृपीमदठैरवा
 यक भुवुदुवनाकभुंउंविठउनेमनंदिं
 दिंदिंमःपमदनहीहीरागसिमेमन २८
 एवमिननिठदिअवविअकयदुगेहं
 हंठकभनउभु गिगिं गणहृगनमिउ
 डिंकममभुभु डिबिमेदिमनापद २ डि

मडिपमभाहृग रायभाहृग ० मिउ ५ भुपु
 दुरागाकभभुवदुनावनीयउ ५ धे ० म
 रुमपुभुमभुविगविमपुग कंभमुमुक
 नगुमभभाभनविगद ० भवुडीउः५
 २ःमउिहृगभुभनउनः नभेभेराग
 हृपुहृदःभवुउनेमिव १ नभमुभवविहृ
 मपुठवापुयदेउवे भद ० मभदनामभद
 कालभदउल ३ नेनैकभउठैहृगदद
 ददमिवामिउ भववीरनभभुहृदनासिहृ
 भउमिने ० कदकदभदहृदिपापउनभद
 नल भदवीरभदमेवभदभंभाभवाम
 २० भदपिउवनेविहृनमभंमिमेउम
 पमपमभदनामभदविप्रोपमभन ०
 दिमनेमनभभुहृउलकोनावठभक एक
 पायैकनइयमेकनैक भुउपिल ०३ डिप
 धाउगमागीहंमुठनिवा ० गेमर भवहृमि
 ०७ उउमिमकासभमिमिउ ०३ निभन
 पुनिमाउउमिमभभनभेभुउ कनकन क
 दुभापपुहृनमिभुभेउम ०५ नभेयगा

पिपडयेमकुनकभडायिने मनामनममि
 दुपमिमुनेममयुग ०५ कंकारगवनिउ
 पवुकाकुवणिप्रक भदागवनममुमुपु
 पावपुवाक ०० मिडुडुडिनयंमुतेमुमु
 याकुनपममा मुउत्रुःभवठवमुमिमुडि
 पममसुरः ०१ कलकलकुरदिडेपुकेनःम
 वमडिगः कुलाकुलमदमनमममिवन
 भवमः ०३ मदेगडेगमममठवठवठवउ
 क पकपीगममुठेविह नडुनदेन्य ०७
 नमःमुदावपडुनरुवपडुनरुमुर भव
 मुमिगु ०७ डीउ नमेवडुमुपिले ३० नममु
 मडुमिमुनुमिमुवीगु ०७ विउ ममुएउन
 ममुमुविमुमुभउमभु ३० ममुमुगलिभा
 मीनामदामोठगुमिमुम मिमडुएनग
 दनवाममवममेमः ३३ भदमपापडुन
 वमवामयविधापक भवमिमुगलिजुपुन
 ममुडुनपायउ ३३ येगिनीकुउमिडेवीडे
 लगलिप्रदिडे नममुवेमभडुममपेग
 उकनमन ३५ भवमभुग ०७ पारमुमुम
 उमयाडुने पिसरीमर नमुयभदभाडुग

०७ विउ ३५ पममभउनिःपुनपमममुयभा
 गर पेममाउपमावमुंमनायमडेनमः ३५
 वुडुविपुनीमरुम ०७ मिवाडुडुडुःमिवः मनि
 मुमनिगकारकालमनमेमुडे ३१ पवि
 वृपमुवाडेरेवायुगकामपवम भदकु
 डविडुमनिडेमिडनमेमुडे ३३ ममुंमने
 रमंडुपंगतुंमवडुपाडुभा वृपयिडुमिड
 मुदि पमभडुनमेमुडे ३७ भवमुरःभववपः
 भवाडुभवठवनः नमःमडाठरेकयद
 कागठावठाभिते ३० इपिगाडुकनडी
 उमनेमनुमिवायम पुमनमिमुमंडुका
 मडीउनिगीमुर ३० नमेभाडुगलिउकुमि
 मुनेकवगेमर नितुभागिमिपाकाररा
 मरुडुमभपुग ३३ नमेविडुममदयम
 विहउमुडुपिले नमेभायपुपाडुयडुमु
 यायमिवाडुने ३३ मीवाडुभवमीवाय
 मिमुडुयनमेमः मूंमूंमूंमूंभवेमाय
 येगिनीमरुवल्लठ ३५ पारपगविडुडीम
 डिनवुमुनमेमुडे डिहमीनेडनवायम

मिनेम

श्री.
विमु
०७

एतन्मन्त्रादुक्तमेतन्मन्त्रः ॥ १ ॥
 पीठमभ्युपगच्छेत्ततः ॥ २ ॥
 पित्रभ्युपगच्छेत्ततः ॥ ३ ॥
 वज्रमेवमभ्युपगच्छेत्ततः ॥ ४ ॥
 एतन्मन्त्रादुक्तमेतन्मन्त्रः ॥ ५ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ ६ ॥
 पितृभ्युपगच्छेत्ततः ॥ ७ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ ८ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ ९ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १० ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ ११ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १२ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १३ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १४ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १५ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १६ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १७ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १८ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ १९ ॥
 पुनरभ्युपगच्छेत्ततः ॥ २० ॥

ਸ੍ਰੀ.
ਸਿੰਘ
੧੩੭

यानिम ३७ कुडयकपिसका मुदिभकमणभा
 पभाः वसगाभाएकेद्रुपनायतेभदरः ७०
 नगियगसकयंमैवनमुठिकंनडकुगः ३भि
 कुनेस्वणतेभमभोठागुवठरभा ७०भन
 क्षीतिधुडउडभनाठऊमिनेमिने म्वडाःभ
 निणनंउडउकुवतिनिडमः ७७ भनूःभविदि
 डाभुडवडधुमभिमूयः निवडुतेभदगडा
 उडडासुभदभूमैः येगिहःभंभूभाभुडिम
 रुकंपमठिलडा अभडतेनभभंदिभराभ
 रकारकभा ७५ म्वडाठिःभनूकुडंभाएके
 द्रुपठवि भभागीनहठेकुवुडकु ७७कुडमे
 ठवडा ७५ उडकुम्वम्वेनमिवेनभितउ
 राभा भुवगगाभुभाडाकुडमा उधुभनाउ
 भा ७७ म्वीभविदिडाभाकादुपविधुमि
 वागूडः ७७मिठैवयभनडउगुडुडि
 गुडुपी०मडुधुनकापमठिकभभदुडु
 भुनमेभुगठैवभुवःभभापुः मुठमिडु॥

33

श्री.

[illegible]

रं पवउरविहारे पवउरं पवंपावंपरने नदिपलुन
 मेविमुमिवउं ०३॥ यमउउउं उमकलमपिउउं
 विमिउं नउउं उं विमिउमपिउउं विमिउमां न
 मउउं मेवियउमपिउउं किमठवेउं उं उं उं उं
 पिसनमेवेमुमिवउं ०४॥ उं उं पं उं पं ममम
 मनेउं पमिउमिउं उं उं उं उं उं उं उं उं उं
 उमां यउं उं उं पं पं पं पं पं पं पं पं पं
 एनेभवाउं उं उं मिमपिनमेवे ॥ ननुमिवउं ०५॥
 मउउं उं उं उं यमपिमनउं उं उं उं उं उं उं
 उं किमठवेउं उं उं विपयं यमाउं उं उं उं उं
 मनेउं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं
 पुमिवउं ०६॥ वमीउं उं उं उं उं उं उं उं
 कउया उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं
 यउं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं
 उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं
 यमउउमपिमायामयउया पूवंभायाभाया
 उयिवरं मायाभयमपि यमायाभाया
 यिनापलुभायाभयउया नभायापायावा
 नभयमउमुमिवनमः ०७॥ यमउः मेवेमुं विमि
 उमपिमेवेउं नयउं नवेमुं वेमुं मेवियउमपिमेवे
 विमिउमां उं वेमेवेमुं विमिउमपिमेवेउं निक
 कमावेमुवेमुं मिउमिउि नमेउकु मिवउं ०८॥

३.

मिवमेवेउं मिवमपिमिवाकारममिवं नभउं मेवे
 उमुवमिउिमिवाकारममिवमां मिवमाउं ननु
 मिवपरमउं मिवमपं नएनेउउं मिवमिउि नम
 वेमुमिवउं ०९॥ यमउउं उं उं मकलमपिमंभा
 रपिउं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं उं
 यमां यमउउं उं उं उं उं उं उं उं उं उं
 नएनेउउं पं मिउि नमेवे मुमिवउं १०॥ उं
 मं यमपं विममविपयं ममल कं नमपुं कं न
 पिरुवमिउिनएनेमिवविउं उं उं उं उं नदि
 ममविपयं नविउिः ५ यउं ननु मितकिमपि
 नमः पुनमिवउं ११॥ उं कं उं उं यमिप
 नममकाः मूडिपं उं उं पं मं मत्रयनपमवीना
 उं उं कं ममिउि ममिउि ममिउि ममिउि
 मिनवा ममपं उं उं उं उं नमेनमुमिवउं १३
 उं मिवउं उं उं उं उं मिववायुममिले उं मेवा
 कमेमिउि उं मिवउं उं मिवउं उं उं उं
 कं मममिवउं उं उं मममं नउउं मं उं
 यननेमिवउं १४॥ विपं उं उं निउं मिवमि
 मकं उं पिरुवने मेवेनागादं उं मिवउं ममने
 उं ममउं नो कं मने उं ननु मममिउं उं
 मिवउं नउउं ननु उं उं मममः १५ मिवउं १५
 उं ममपं ममपं यमिवउं उं उं ममकः कमा

श्री.
३५

पुनरपि नमः पुनरपि
नमोऽयुक्तयः +

एपिभिकउतेपात्रुसनिनः सनतुगकलंमिव
 गुल्लगउसुअरभनेत्रमहउतेनंगयिउभ
 धिद्वपिभउउभा ३३ भयविह्यैउनिमभपि
 रुडायेउभनभाभकमेनमेयःभउउभपगणः
 वृद्धविणः अयैवकाउष्टःकुमिमपिमरीरेभन
 भा रुडायेउतेनमिवमिवनपाभागरविठे ३७
 प्रभागाहेकेमिदिउउभभगणःपनउया रुडा
 भवेउपिप्रमभभपयउभुएउभा मिवमीभाकु
 मेमिवमिवभदेनेडिमरापत्रुमिनिह्यगार
 मिवरुवसाभिभिरुउभा ४० उडिभुइ
 मिवंविभुःप्रभुभभदःभः निविमिहव
 भउउ रुडाकुनिपुःभिरभा ४० उममि
 वःमिवंउपभागायेवभभवगःभी ठी
 ययत्रापिनाकुडाउरगभुगियागिरा ४९
 ममीयंपरभंउपंकषंल्लयंठवामैः यत्रवेमपि
 रुउभिदुकाउयेमिवः ४३ उउपैरविमिभुउ
 पभुपुंभभागेडा विभुमिवउभुएरुगभ
 नियउउःभुडामंमिवभवासुंप्रयिद्ववभा
 भुडभा नष्टेभभात्रेमेवेधुविसामंभुभराउन

भा ४५ दूयापिमा दूवंउं॥निहं प्ररानीयं ५
 यउउः विदयेवाहमेवनां प्रराने मेधभवम ४७
 उडिमीविभुविगमि उंभदिभापागापुंभुउंभ
 भापुभा ॥

[Faint, illegible handwritten text]

**NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA**

1) DSO 00001 7718 ✓

2) DSO 00001 7719
3) DSO 00001 7720
4) DSO 00001 7721

Record No.

Organization / Individual

7718, 7719, 7720, 7721

Name of the Institution

Oriental Research Library
- University Campus,
Hazaratbal, Srinagar.

Communication
Address

Department of Libraries and Research
Municipal Complex, Karanagar,
Srinagar.

Personal Collection

3 ^{III} Anandesvarasa Bhairava Stotra

Title of the Text

1 ^I Bhāropahāra Stotra viratati

Other Title

2 ^{II} viṣṇu bhāropahāra

Author

IV viṣṇu puri

Bundle No: X

Acc. No./Manuscript No. 2371 I-IV

Commentary

NO

No. of Folios

28 ✓

Pages

56

Size of Mss.

23.5 x 15.5 cms ✓

Commentator

NO

Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others

Missing portion

NO

Language

Sanskrit

Illustrations

NO ✓

Script

Sārdar

Complete/Incomplete

✓

Condition:

Good/bad/brittle/worm eaten. Fungus/Stuck

Date of Manuscript

Source of Catalogue:

Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card

Key words

Stotra

Colour of Manuscripts

Cream ✓

Subject

Stotra

Remarks

unstitched ✓

260406

IV - Mahimaya pāra Stotra